भारत डायनामिक्स लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय)

निगम कार्यालय : गच्ची बाउली, हैदराबाद

बीडीएल/104/बीडी-नि.वा./एम आर/ 04 दिनांक : 27 अगस्त, 2021

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने किया बीडीएल का दौरा

माननीय **सांसद जुएल ओराम** की अध्यक्षता में रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने आज भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल), हैदराबाद का दौरा किया। समिति ने 'सार्वजनिक रक्षा उपक्रमों के आधुनिकीकरण का अध्ययन' करने के लिए यह दौरा किया।

संसदीय स्थायी समिति के आगमन पर कंचनबाग इकाई में बीडीएल के सी एम डी कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.) ने स्वागत किया।

समिति को बीडीएल द्वारा बनाये जा रहे वर्तमान उत्पादों का रेंज, विनिर्माण सुविधाएँ और की जा रही आधुनिकीकरण पहल की जानकारी दी गयी।

इस दौरान, समिति को बताया गया कि बीडीएल भारतीय सशस्त्र सेनाओं को उन्नत अस्त्र के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उद्योग 4.0, रोबोटिक्स जैसे भावी उन्नत प्रौद्योगिकियों पर कार्य कर रहा है।

यह भी बताया गया कि भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन को पूरा करने में बीडीएल के योगदान और विदेशों के सहयोग से वर्तमान में बनाये जा रहे उत्पादों के लिए बीडीएल द्वारा किए जा रहे स्वदेशीकरण के प्रयासों की भी जानकारी की गई।

तदुपरांत, समिति ने आंतरिक अनुसंधान एवं विकास सुविधाएँ तथा आकाश और मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रभागों की विनिर्माण सुविधाएँ देखीं

फैक्टरी दौरे के बाद **माननीय सांसद और रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री जुएल ओराम** ने बीडीएल काम-काज की प्रशंसा की।

बीडीएल के सी एम डी कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.) ने कहा कि बीडीएल अपनी विनिर्माण सुविधाओं के आधुनिकीकरण और मानव-शक्ति को प्रशिक्षित कर भारत को रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। आगे, इस दिशा में काम करने के लिए स्टार्ट-अप और एमएसएमई को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। बीडीएल, भारत में प्रोद्योगिकी को स्थानांतरित करने के लिए कई विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं के साथ समझौते कर रहा है, जिससे कि सरकार के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में योगदान किया जा सके। नयी प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपना कर, इन्हें बनाए रखते हुए आगे बढ़ने के लिए कंपनी देश के प्रमुख संस्थानों से इंजीनियरों की भर्ती कर उन्हें नियमित रूप से प्रशिक्षित कर अपने आंतरिक अनुसंधान एवं विकास को मजबूत कर रही है। बीडीएल ने अपनी अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं पर भी निवेश बढ़ाया है।

बीडीएल में आधुनिकीकरण :

बीडीएल लगातार अपनी विनिर्माण प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं को उत्कृष्ट बनाने में लगा है जिनमें इंडस्ट्री 4.0, रोबोटिक्स ऑपरेटिंग वर्कशॉप, नवीनतम सरफेस माउंटेड डिवाइसेज असेंबली लाइन इत्यादि शामिल हैं। इन सबके के साथ-साथ बी डी एल ने उत्पादों में 'ए एस 9100', 'ज़ीरो डिफेक्ट' जैसी कार्यप्रणाली अपनाकर सर्वोत्तम गुणता बनाये रखी है।

बीडीएल के सभी उत्पादन प्रभाग एएस 9100डी वांतरिक्ष गुणता प्रबंधन प्रणाली मानक से प्रमाणित हैं। जबकि, उद्यम का निगम कार्यालय आईएसओ 9001:2015 गुणता प्रबंधन प्रणाली से प्रमाणित है।

कंपनी की आईटी प्रणाली का सूचना सुरक्षा प्रबंधन आईएसओ 27001:2013 से प्रमाणित है।साथ ही, उद्यम की तीन विनिर्माण इकाइयाँ आईएसओ 14001: 2015 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली से भी प्रमाणित हैं।

हाल के रुझान दर्शाते हैं कि दुनियाभर के देश अस्त्र प्रणालियों की अगली पीढ़ी के विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई) आधारित प्रौद्योगिकी के उपयोग में तेजी से लगे हैं। इस तथ्य का संज्ञान लेते हुए बीडीएल ने भी स्टार्ट-अप्स की सक्रिय भागीदारी के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त उत्पाद सशस्त्र बलों के लिए विकसित करना शुरू कर दिया है।

भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मानिर्भर बनाने संबंधी योगदान को गति देने के लिए बीडीएल अपने परिसर में 'सीकर फेसिलिटी सेंटर', 'वारहेड प्रोडक्शन फेसिलिटी' और 'हाई टेम्परेचर कार्बन कम्पोजिट मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी' जैसी नई विनिर्माण सुविधाएँ स्थापित कर रहा है। इनके अलावा, बीडीएल में 'सरफेस-माउंट टेक्नोलॉजी सेंटर' और 'हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग फैसिलिटी' की स्थापना की जा चुकी है। कॉंकूर्स मिसाइल परीक्षण उपकरण और कॉंकूर्स लॉंचर परीक्षण उपकरण को आंतरिक रूप से विकसित किया गया है जो भारतीय सेना द्वारा पहले आयात जाने वाले विदेशी उपकरणों के लिए एक स्वदेशी विकल्प है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और कदम है।

बीडीएल अथक रूप से प्रयत्नरत है कि विदेशी सहयोग से निर्मित मिसाइलों के अधिकाअधिक घटकों और उप-संयोजनों को स्वदेशी कर दिया जाए। इस मिशन पर कार्य संलग्नता के फलस्वरूप बीडीएल ने एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और अंतर्जलास्त्र अस्त्रों के कुछ घटकों और उप-संयोजनों का देशीकरण कर दिया है जिन्हें पहले आयात किया जाता था।

सशस्त्र सेनाओं की अत्याधुनिक अस्त्रों की बढ़ती हुई माँग और आपूर्ति को पूरा करने के उद्येश्य से बीडीएल अपने बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए संसाधनों में वृद्धि कर रहा है और आधुनिकीकरण की आवश्यकताओं के लिए इष्टतम निवेश पर जोर दिया जा रहा है।

साथ ही, आंतरिक आधार पर उत्पाद के नवाचारी प्रयासों पर भी जोर दिया जा रहा है। अनुभव और ज्ञानाधारित उद्योग के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच तालमेल बनाए रखा जा रहा है। साथ ही, बीडीएल प्रक्रियाओं और सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की भी पहचान कर रहा है।

दि. 27 अगस्त, 2021 को अपने दौरे के दौरान बीडीएल के सी एम डी कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.) व अन्य अधिकारीगण के साथ चर्चा करते हुए सांसद एवं रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के माननीय अध्यक्ष श्री जुएल ओराम व अन्य सदस्य।

दि. 27 अगस्त, 2021 को कंपनी के आंतरिक अनुसंधान एवं विकास प्रभाग के दौरे के दौरान सांसद एवं रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के माननीय अध्यक्ष श्री जुअल ओरम व समिति के अन्य सदस्यों को जानकारी देते हुए बीडीएल के सी एम डी कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.)।

दि. 27 अगस्त, 2021 को अपने दौरे के दौरान सांसद एवं रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के माननीय सांसद श्री जुअल ओरम के साथ बीडीएल के सी एम डी कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.), निदेशक (तकनीकी), बी डी एल श्री एन पी दिवाकर, निदेशक (उत्पादन, बी डी एल श्री पी राधाकृष्ण, निदेशक (वित्त), बी डी एल श्री एन श्रीनिवासुलू, मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ उपेंदर वेन्नम, आई पी ओ एस, अधिशासी निदेशक (केबीयू अण्ड पीएसजी), कमोडोर ए माधवराव (से.नि.), अपर सचिव (लोक सभा) श्रीमती कल्पना शर्मा, संयुक्त सचिव (पी अण्ड सी), रक्षा मंत्रालय श्री अनुराग बाजपेयी और रक्षा मंत्रालय व बीडीएल के अन्य अधिकारीगण।

दि. 27 अगस्त, 2021 को बी डी एल दौरे के दौरान पौधारोपण करते हुए सांसद एवं रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के माननीय अध्यक्ष श्री जुएल ओराम।

---XXX---